

परिवार आओर समुदाय

अध्याय

9

प्रेम आ धर्म पारिवारिक जीवनक फूल आ फल अछि।

— तिरुवल्लुवर

महत्वपूर्ण प्रश्न



1. परिवार इकाई किएक महत्वपूर्ण अछि?
2. समुदाय की अछि आ ओकर भूमिका की अछि?



0681CH09

परिवार

लगभग हम सभ एकटा परिवार मे रहैत छी। परिवार कोनो समाजक मौलिक आ सबसँ प्राचीन इकाई होइत अछि। आइ भारतीय समाजमे कतेको प्रकारक परिवार अछि - संयुक्त परिवारसँ लऽ कऽ एकल परिवार धरि। एकटा संयुक्त परिवारमे कतेको पीढ़ी एक सङ्ग रहैत अछि - दादा-दादी, माता-पिता, पैतृक चाचा आ मौसी, भाय, बहिन आ पितियौत बहिन। दोसर दिस, एकटा एकल



संयुक्त परिवारक उदाहरण

एकल परिवारक उदाहरण

परिवार एकटा दम्पति आ ओकर बच्चा, आ कखनो काल एकटा माता-पिता आ बच्चा धरि सीमित रहैत अछि।

आउ अन्वेषण करू

- अहां अपन पड़ोस मे कोन तरहक परिवार देखैत छी? प्रत्येक प्रकारक लेल घरक संख्याक संग प्रकारक सूची बनाउ।
- कोन तरहक बेसी होइत अछि? अहां के किएक लगैत अछि जे इ एहन अछि?
- एकटा कक्षा गतिविधिक रूपमे, अपन सहपाठीक निष्कर्षसँ तुलना करू आ चर्चा करू।

अङ्ग्रेजीमे, पारिवारिक सम्बन्धक वर्णन करबाक लेल बहुत रास शब्द नहि अछि; हम ओहिमे सं किछु पहिल अनुच्छेद मे देखलहुं। भारतीय भाषाक कतेको आओर शब्द अछि। उदाहरणक लेल, हिन्दीमे अछि मौसी, चच्चा, नाना, मामी आ बहूत आउर। किछु भाषा, जेना तमिलमे पैघ भाय/बहिन वा छोट भाय/बहिनक लेल सेहो अलग-अलग शब्द अछि। मुदा भारतीय भाषामे 'चचेरा भाई' लेल की शब्द अछि? अधिकांश भारतीय भाषामे अहाँकेँ पता चलत जे एहन कोनो शब्द नहि अछि! एकर कारण अछि जे पितियौत बहिन मात्र 'भाय' आ 'बहिन' होइत छथि। ई परिवारक सभ बच्चाक बीच गहीर बंधन पर जोर दैत अछि।

आउ अन्वेषण करू

- अपन परिवारक ओ सभटा सदस्यक सूची बनाउ जकरा अहाँ सोचि सकैत छी के, किछु दूर के रिश्तेदार सहित। अपन मातृभाषा वा क्षेत्रीय भाषामे ओकर शब्दक सूची बनाउ आ अंग्रेजीमे समकक्ष तकबाक प्रयास करू। हिन्दीक लेल दूटा उदाहरण नीचा देल गेल अछि:

नाम	हिन्दीमे शब्द	अंग्रेजीमे विवरण / शब्द
रानी	बहिन	मायक भायक बेटी (भाई) (आन संभावित अर्थमे सँ एक)
समीर	चाचा	पिताक छोट भाई (पैतृक चाचा)

- ध्यान दियौ जे कोना बहुधा अहाँक मातृभाषा वा क्षेत्रीय भाषामे एकटा शब्दकें सटीक परिभाषा देबाक लेल अङ्ग्रेजीमे कतेको शब्दक आवश्यकता होइत छैक।

भूमिका आओर दायित्व

परिवारक सदस्यक बीच सम्बन्ध प्रेम, देखभाल, सहयोग आ परस्पर निर्भरता पर आधारित होइत अछि। 'सहयोग'क अर्थ अछि 'एक संग काज करब'। परिवारक प्रत्येक सदस्यक अन्य सदस्यक प्रति भूमिका आ उत्तरदायित्व होइत छैक। जेना, माता-पिता अपन बच्चाक पालन-पोषणक लेल उत्तरदायी होइत छथि जाहिसँ ओ सुखी व्यक्ति आ समाजक जिम्मेदार सदस्य बनि सकय। मुदा जेना-जेना बच्चा सभ पैघ होइत जाइत अछि, ओ घरमे परिवारक अन्य सदस्यक मदति लेल बेसी जिम्मेदारी लैत छथि - चाहे माता-पिता वा बहिन वा भाय आदि। दैनिक अभ्यासक माध्यमसँ बच्चा घरक जीवनमे भाग लेनाइ सीखैत अछि। कतेको घरमे बच्चा सभ किछु परम्परा आ प्रथाकें सेहो सीखैत छथि जे हुनक परिवार पीढ़ीसँ पालन करैत आबि रहल अछि।

आउ अन्वेषण करू

निम्न प्रश्न सभ आ अपन उत्तरक तुलना किछु सहपाठी सं करू

- अहांक परिवार मे के तय करैत अछि जे बाजार सं की कीनल जाए ?
- अहां के घर मे भोजन के पकाबैत अछि?
- अहांक परिवारक सबसँ उम्मेदराज व्यक्ति के छथि?
- अहांक घरक फर्श के साफ करैत अछि?
- अहां के घर मे बर्तन के धोबैत अछि?
- गृहकार्य करए मे अहां के के मदद करैत अछि?

अपन धर्मक पालन करब वा अपन कर्तव्यक पालन करब भारतीय संस्कृतिक एकटा महत्वपूर्ण सिद्धान्त रहल अछि। परिवार सेहो एकटा 'विद्यालय' अछि, जतय बच्चा सभ अहिंसा, दान, सेवा सन महत्वपूर्ण मूल्य सीखैत अछि। परिवारक व्यक्ति प्रायः परिवारक आवश्यकताक ध्यान रखबाक लेल अपन आवश्यकता छोड़ि दैत छथि।

आबू एहने एकटा कहानी देखैत छी।



शालिनी अपन परिवारक संग केरलक एकटा शहरमे रहैत छथि। हुनकर पिता एकटा छोट व्यवसाय करैत छथि आ माय लगक एकटा विद्यालयमे शिक्षिका छथि। शालिनीक एकटा छोट भाई अछि। हुनकर दादी, अच्छम्मा (पिताक माय), चित्तप्पा

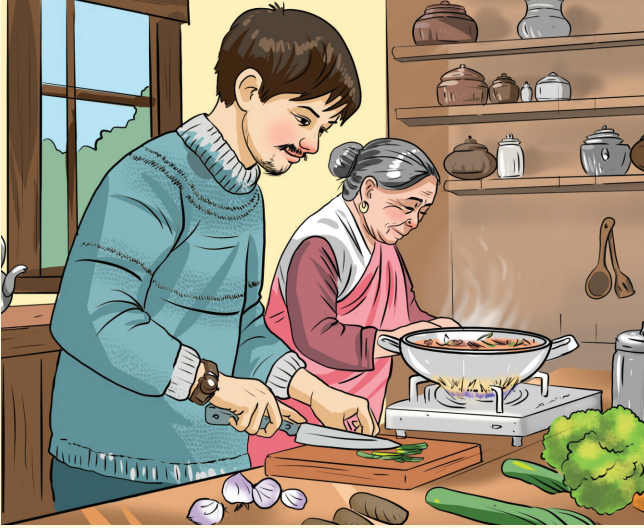
(पिताक भाय वा पैतृक पैतृक चाचा) आ हुनकर चित्ती (मौसी वा मामाक पत्नी) हुनका सङ्ग रहैत छथि। हुनका सभक एकटा बेटी अछि, शालिनीक पितियौत बहिन, जकरा ओ चित्री कहैत छथि। शालिनीक काका एखने नोकरी गमा चुकल छथि आ हुनकर मौसी गृहिणी छथि। पूरा परिवार ओणमक पाबनिक तैयारी कऽ रहल छल। अछम्मा शालिनीक पिताकेँ कहलनि जे हुनक भायकेँ आर्थिक कठिनाई भऽ रहल अछि, तँ ओ सभ पाबनि-तिहारक लेल नव कपड़ा नहि कीनि पाबि रहल छथि। जखन शालिनीक माता-पिता हुनका आ हुनक भायकेँ खरीदारी करबा लेल लऽ गेलाह तखन ओ लोकनि मात्र अपन लेल नहि अपितु चित्ताप्पा, चित्ती आ चित्री लेल सेहो नव कपड़ा कीनि लेलनि। परिणामस्वरूप, शालिनीकेँ ओ रेशमक पोशाक नहि भेटल जकर ओ अपेक्षा कयने छलीह; हुनका एकटा साधारण सूती बुनाई के लेल समझौता करए पड़लनि। अचम्मा शालिनीकेँ बुझौलनि जे एहि तरहेँ परिवार एक दोसराक समर्थन करैत अछि आ जे किछु अछि से साझा करैत अछि। शालिनीकेँ अपन सरल पोशाकमे कोनो आपत्ति नहि छलनि। ओ खुश छलीह जे सबके किछु नव कपड़ा भेटि सकैत अछि।

आउ अन्वेषण करू

- सात सदस्यक एहि परिवारक एकटा साधारण वंशावली बनाबू।
- अहां के किएक लगैत अछि जे शालिनीक माता-पिता सबके लेल कपड़ा किनने छलाह ?
- जँ अहां शालिनीक जगह पर रहैत तखन अहां की करता?

ओ कहानी केरलमे आधारित छल। आब हम उत्तर-पूर्वक यात्रा करैत मेघालयक एकटा गाम जाय।

हमर नाम तेनजिंग अछि। हमरा ओहि पहाड़ सं प्रेम अछि जाहि मे हम रहैत छी, यद्यपि जीवन कखनहु-कखनहु कठिन होइत अछि। हमर पिता एकटा छोट किरानाक दोकान चलाबैत छथि। हमर बाद माय एकटा स्थानीय हस्तशिल्प सहकारी समितिमे व्यस्त भऽ गेलीह, हमर सुन्दर पारम्परिक कपड़ा बनौलनि, लकड़ीक नक्काशी आ पर्यटकसभकेँ बेचबाक लेल अन्य वस्तु, हमर पिता घरक सफाई, हमर छोट-छोट तरकारी बगीचा आ घरक अन्य काजक देखरेख करबामे



शामिल भेलाह। बहुधा ओ हमर दादीकेँ हम सबके लेल भोजन तैयार करबामे सहायता करैत छथि।

दादी लग हास्य आ ज्ञानक सङ्ग हमरा कहैबाक लेल हरदम सभ तरहक रोचक कथा रहैत अछि; लगैत अछि जे हुनका सं बढ़िया कियो लोक के नहि बुझैत अछि! दादा हमर गृहकार्यमे सहायता करैत छथि आ हमरा विद्यालय बस स्टॉप पर लऽ जाइत छथि। ओ हमर बस्तीमे सामाजिक कार्यमे सेहो सक्रिय रूपसँ शामिल छथि आ हरदम दोसरकेँ अपन मदति दैत छथि। उदाहरणक लेल, जखन हमर क्षेत्रमे बिजलीक विफलता होइत अछि तखन ओ जाइत छथि आ लगक कार्यालयमे शिकायत दर्ज करैत छथि। जखन बवंडरमे हमर पड़ोसीक घर क्षतिग्रस्त भऽ गेल, तखन ओ मरम्मतमे मदति लेल पूरा पड़ोससँ किछु पाइ जमा कयलनि।

हम भाग्यशाली छी जे हमर माता-पिता भोजन आ कपड़ा सन मूलभूत आवश्यकताक देखभाल कऽ सकैत छथि। जखन कोनो विशेष खर्च अबैत अछि

तखन हम बहुधा देखलहुँ अछि जे ओ सभ एकसङ्ग ओकर चर्चा करैत छथि। माय कहैत छथि जे भविष्यमे उत्पन्न होबयवला कोनो अप्रत्याशित आवश्यकताक लेल हमरासभकेँ हरदम किछु पाइ बचयबाक प्रयास करबाक चाही।



आउ विचार करब

- ◆ तेनजिंगक पिता विशेष खर्चक लेल अपन पत्नीसँ परामर्श किएक करैत छथि?
- ◆ घरक काजमे हुनक भागीदारीक विषयमे अहाँकेँ केहन लगैत अछि?
- ◆ दादा-दादी कोन भूमिका पूरा करैत छथि?

आउ अन्वेषण करू

- भारतमे कतहु एकटा परिवारक कहानी बनाउ, जतएई देखू किछु पारिवारिक मूल्यक अभ्यास कएल गेल अछि। एकरा अपन कक्षाक संग लेखन या रेखाचित्रक माध्यमसँ साझा करू।
- अपन सभ सहपाठीक संग दू-तीन परिवारक आसपास एकटा छोट नाटकक मंचन करू। अहाँ जे नाटक लिखैत छी ओहिमे किछु चुनौतीपूर्ण परिस्थिति शामिल भऽ सकैत अछि जकर सामना परिवारसभ कयने छलाह, आ ई देखबैत छथि जे ओकर समाधान कोना कयल जाइत अछि।
- शालिनी आ तेनजिंगक कथासभमे हमसभ संयुक्त परिवारक उदाहरण देखैत छी। अहाँकेँ लगैत अछि जे आधुनिक जीवनक कोन पहलू अछि जे किछु जोड़ा एकल परिवारक विकल्प चुनैत अछि (अर्थात, पुरान पीढ़ी या अन्य रिश्तेदारसँ अलग रहब)? दुनू प्रकारक परिवारक किछु लाभक सङ्ग-सङ्ग नोकसान सेहो भऽ सकैत अछि?

समुदाय

परिवार मात्र अपन भीतर नहि अपितु अन्य परिवार आ अपन आसपासक लोकसँ सेहो जुड़ल रहैत अछि। जुड़ल लोकक एहन समूहकेँ 'समुदाय' कहल जा सकैत अछि (संदर्भक आधार पर 'समुदाय'क आन अर्थ अछि)। एकटा समुदायक सदस्य विभिन्न कारणसँ एक सङ्ग अबैत छथि, जेना पाबनि मनयब आ भोज, विवाह आ अन्य आयोजनक आयोजन। किछु गाममे लोक जमीन तैयार करब, बुवाई आ कटाई सन कृषि पद्धतिमे एक दोसराक सहयोग करबाक लेल एक सङ्ग अबैत छथि। समयक सङ्ग, समुदाय प्रायः साझा प्राकृतिक धन आ संसाधनक उपयोग पर किछु प्रथासभ पर सहमत भेलाह जेना पानि, चराई भूमि आ वनोपजक रूपमे। बहुत रास जनजातीय समुदायक संग इएह स्थिति अछि। किछु हद धरि ग्रामीण भारतक गामक समुदायमे आइ ई स्थिति बनल अछि। एहन प्रथासभ - हम ओकरा 'नियम' कहि सकैत छी, यद्यपि ओ बहुत कम लिखल गेल छल - समुदायसभकेँ संसाधनक सुरक्षित

पहुँच प्रदान कयलक अछि। मुदा एकर अर्थ ई सेहो अछि जे समुदायक भीतर सभ परिवार आ व्यक्तिक विशिष्ट कर्तव्य छैक। अन्यथा, समुदाय सुचारू रूपसँ काज नहि करत।

ध्यान राखू

- ◇ साल-दर-साल मध्य प्रदेशक झाबुआ शहरक लगपासक क्षेत्र पानिक गम्भीर सङ्कटसँ ग्रस्त छल। ओकर अनुसरण कए रहल अछि हलमा (मुख पृष्ठ देखू) कोनो व्यक्तिक समर्थनक लेल एक संग आबए के परंपरा या संकटक समयमे परिवार, भील समुदाय सैकड़ो गाममे हजारो गाछ लगयबाक निर्णय लेलक। भील लोकनि बरखाक पानिक संरक्षणक लेल बहुत रास खाई सेहो खोदैत छलाह आ अन्य जल संचयन संरचनाक निर्माण सेहो करैत छलाह। हुनका लोकनिकेँ एहि काजक भुगतान नहि भेटलनि मुदा ई अपन समुदाय आ पर्यावरणक प्रति अपन कर्तव्यक रूपमे कयलनि। इ हलमा परम्पराक, उद्देश्य धरती माताक सेवा करब अछि। 2019 मे, शिवगंगा आन्दोलनक श्री महेश शर्माकेँ भील समुदायक सङ्ग परिवर्तनकारी कार्यक लेल पद्मश्री पुरस्कारसँ सम्मानित कयल गेल छल।
- ◇ चेन्नई बाढ के दौरान 2015 के दशक मे सड़कसभ नदी मे बदलि गेल आ लोक आवागमन नहि क सकैत छल। लगभग सभ दोकान बंद छल आ सेवा बाधित छल। बहुत रास निजी समूह, विशेष रूपसँ आध्यात्मिक आ धार्मिक सङ्गठन, पैघ मात्रामे भोजन पकाबैत छल आ जकरा एकर आवश्यकता छल, ओकरा बाँटि देलक।
- ◇ एहन कतेको आओर उदाहरण अछि जे लोकसभ बदलामे किछु अपेक्षा कयने बिना समुदायक हितक लेल किछु करबाक लेल एक सङ्ग आबि रहल छथि। की अहां सुनलहुं कोनो के?

उपरोक्त वास्तविक जीवनक कथा ग्रामीण संदर्भमे समुदायकेँ चित्रित करैत अछि। समुदाय शहरी संदर्भमे सेहो उपस्थित अछि, यद्यपि ई कने भिन्न रूपसँ काज कऽ सकैत अछि। आउ एकटा आओर वास्तविक जीवनक कथाक एकटा उदाहरण देखू।



20 सालसँ बेसी पहिने अहमदाबाद (गुजरात)क एकटा क्षेत्रमे एकटा छोट ऑटो-फैब्रिकेशन वर्कशॉपक मालिक कमल परमार वंचित बच्चासभक एकटा समूहकेँ सड़कपर देखलनि। किछु गोटे विद्यालय छोड़ि देने छलाह, जखन कि किछु कहियो विद्यालय नहि गेल छलाह। कमल अपन नियमित काजक समयक बाद प्रतिदिन साँझ 5:30 सँ 9:30 बजे धरि हुनका सभकेँ ट्यूशन देबय लगलाह। ओ बच्चासभकेँ निःशुल्क रात्रिभोज सेहो प्रदान कयलनि। जल्दिये 150 बच्चा नियमित रूपसँ ओहि कक्षासभमे भाग लेबय लगलाह आ पाठमे गहीर रुचि लेलनि।

एकटा स्थानीय विद्यालयक किछु शिक्षक कक्षासभकेँ देखलनि आ किछु समय लेल अध्यापनमे शामिल भऽ गेलाह। ओहिमेसँ एक गोटे कहलनि, “एहि बच्चासभकेँ बैसबाक लेल उचित बेंच नहि भेटैत छैक, हुनका लग कोनो शांतिपूर्ण कक्षा नहि होइत छैक आ ओतयसँ गुजरय वला वाहन बहुत शोर करैत छैक, तैयो शिक्षक सभ जे कहैत छथि ओहि पर पूरा ध्यान दैत छथि। इ हमर हृदय के छू लेलक। हुनका सभसँ हमरा जे प्रेम आ स्नेह भेटल ओ अविश्वसनीय छल।” किछु पैघ बच्चा जे नियमित विद्यालयमे पढ़ि रहल छल, ओ सेहो कमलक कक्षामे पढ़ाबय लेल स्वयंसेवकक रूपमे शामिल भऽ गेल। ओहिमेसँ एक गोटे टिप्पणी कयलनि, “हम सभ ओतय पढ़ाबय गेल छलहुँ, एकर बदला हमसभ हुनकालोकनिसँ बहुत किछु सीखलहुँ।”



- अपन कक्षा मे एहि कहानी पर चर्चा करू। ई समुदायक प्रति कोन तरहक रवैया प्रकट करैत अछि?
- कमल परमारक पहलमे कोन मूल्य प्रतिबिम्बित होइत अछि?
- ओहि वंचित बच्चा के बारे मे सोचू। की अहां के लगैत अछि जे समाज

हुनका सभ के संग अनुचित रहल अछि?

- समाजकेँ ई सुनिश्चित करबाक लेल की करबाक चाही जे सभ बच्चाकेँ शिक्षाक पहुँच भेटय?

पछिला 30 या 40 सालमे नऽव प्रकारक समुदाय सेहो उभरल अछि। बहुत रास शहरी क्षेत्रमे निवासी कल्याण संघ ओहि समुदायक उदाहरण अछि जे अपन नियम आ विनियम बनबैत अछि। ई अपशिष्ट प्रबंधन, सामान्य क्षेत्रक स्वच्छता, पालतू जानवरक देखभाल आदिक नियम भऽ सकैत अछि। समुदायमे रहनिहार लोक एहन नियम आ विनियम बनयबामे भाग लैत छथि।

समुदाय अंततः परस्पर निर्भर होइत अछि। उदाहरणक लेल, ओही निवासी कल्याण संघ एहि पर निर्भर रहत। आपूर्तिक लेल व्यापारी समुदाय आ कचराकेँ सम्हारबाक लेल नगरपालिका कर्मचारीसभ पर। हमर जटिल समाजमे सभ गोटे कतेको आन लोक आ समुदाय पर निर्भर छथि।



आउ अन्वेषण करू

अपन परिवारक बाहरक सभटा लोकक सूची बनाउ , जे अहां कोनो न कोनो तरीका सं हुनकर काज के माध्यम सं अहांक समर्थन करैत अछि।

आब हम बुझैत छी जे 'समुदाय' एकटा लचीला अवधारणा अछि। किछु आओर उदाहरण:

- एक जाति, या एकर एकटा उपखंडकेँ बहुधा समुदाय सेहो कहल जाइत छैक।

- कोनो विशेष धर्म, क्षेत्र, सामान्य काज या रुचिक लोकक समूह, विशेष रूपसँ एकटा छोट समूहकेँ समुदाय सेहो कहल जा सकैत अछि; जेना, 'मुंबईक पारसी समुदाय', 'चेन्नईक सिख समुदाय', 'अमेरिकाक भारतीय समुदाय', 'केरलक वैज्ञानिक समुदाय', 'हमर विद्यालयक कला समुदाय', 'गामक कृषक समुदाय', आदि... सूची अंतहीन अछि।
- अपन विद्यालयमे अहाँ अलग-अलग समुदायक हिस्सा भऽ सकैत छी - निश्चित रूपसँ अहाँक कक्षा, मुदा खेल समुदाय, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, विज्ञान वा नाटक क्लब आदि।

आउ अन्वेषण करू

- अहां कोन तरहक समुदायक हिस्सा छी?
- की कोनो क्लब अछि जकर अहां विद्यालय मे हिस्सा छी? ई केना काज करैत अछि?

एहि सं पहिले जे हम मोआ दस...

- परिवार मानव समाजक आधार अछि। आदर्श रूपसँ परिवारक सदस्य अपन बहुत रास कर्तव्य आ कार्यमे एक दोसरक सहयोग करैत छथि।
- समुदाय, एकटा पैघ इकाई, एकर अर्थ ई सेहो अछि जे लोक एक दोसरक समर्थन करबाक लेल अपन सर्वश्रेष्ठ प्रयास करैत छथि। 'समुदाय'केँ कतेको तरीकासँ परिभाषित कयल जा सकैत अछि आ अनेक प्रकारक समुदाय अछि।
- अंततः, समुदाय परस्पर निर्भर होइत अछि।

प्रश्न, गतिविधि आओर परियोजना

1. अपन परिवार आ पड़ोसमे अहाँ कोन नियमक पालन करैत छी? ओ किएक महत्वपूर्ण अछि?
2. की अहाँकेँ लगैत अछि जे किछु नियम परिवार वा समुदायक किछु लोकक लेल अनुचित अछि? कियै?
3. कतेको परिस्थितिक वर्णन करू जे अहाँ देखलहुँ अछि जतय सामुदायिक समर्थनसँ फर्क पड़ैत अछि। अहाँ एकरा बारे मे खींच अथवा लिख सकैत छी।